TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

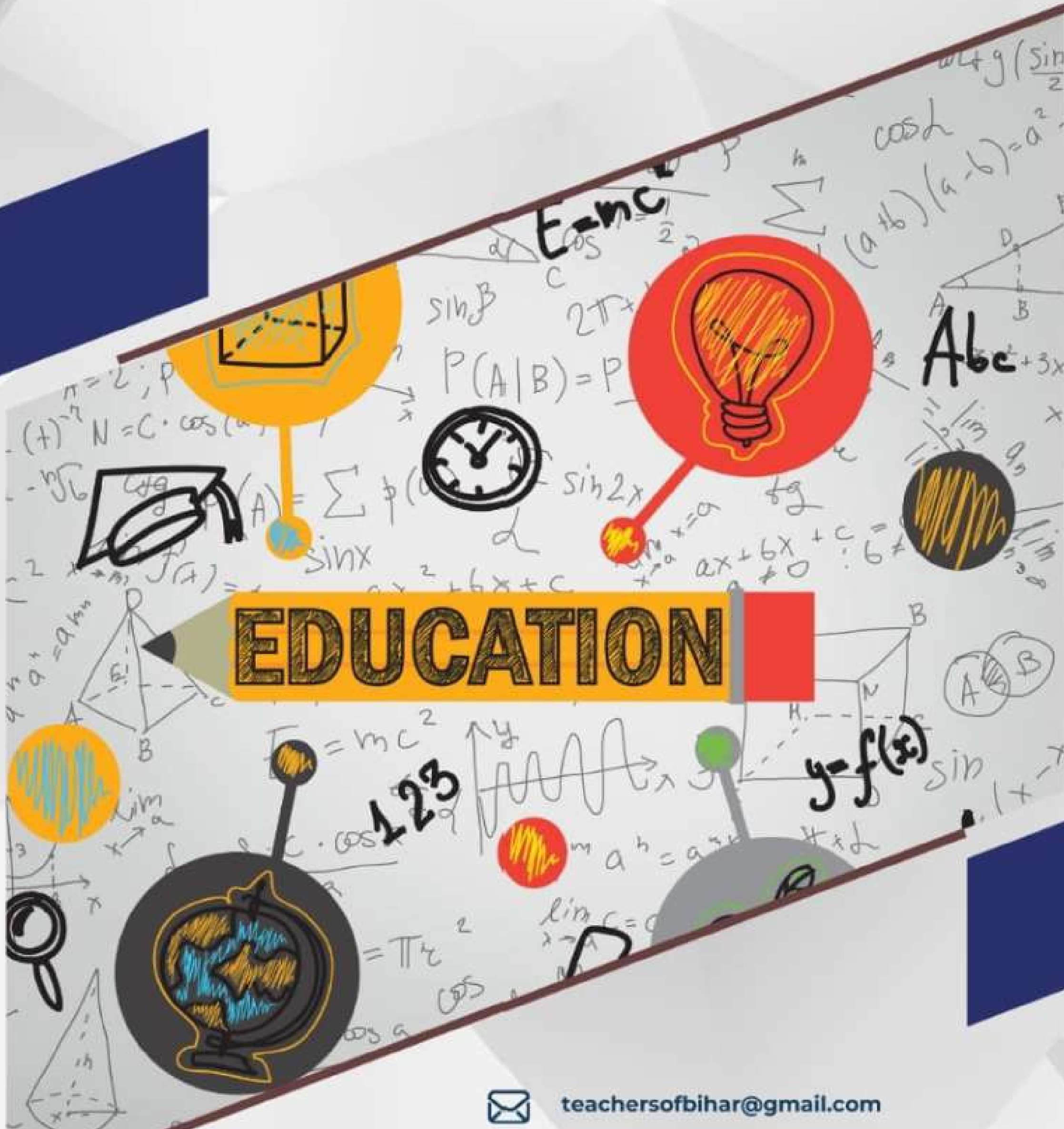

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

17 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि हर बच्चे को पढ़ाया जाना चाहिए,

बल्कि हर बच्चे को सीखने की इच्छा दी जानी चाहिए।

जॉन लुबाक

राकेश कुमार

जयंती विशेष

17 जनवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

जल्दी सोने और जल्दी उठने से इंसान स्वस्थ, समृद्ध और बुद्धिमान बनता है।

\- बेंजामिन फ्रेंकलिन

(अमेरिकी वैज्ञानिक एवं प्रसिद्ध लेखक)

(17 जनवरी 1706 - 17 अप्रैल 1790)

Vishwa Vijay Singh

www.teachersofbihar.org

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, शुक्रवार 17 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"एक अच्छा विचार आपका पूरा जीवन बदल सकता है।"

"One good idea can change your whole life."

आज के दिन

395 ई.– रोमन सम्राट थियोडोसियस–1 (379–95ई.) का निधन (इसने अपने शासन के दौरान ईसाई धर्म को बढ़ावा दिया और गोथों के साथ संघर्षों का समाधान किया)

1871– अमेरिकी आविष्कारक एंड्रयू स्मिथ हैलिडी को केबल कार के लिए पहला पेटेंट प्राप्त हुआ।

1888– भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार, निबंधकार और व्यंग्यकार बाबू गुलाबराय का जन्म।

1942– अमेरिकी मुक्केबाज मुहम्मद अली (जिन्हें व्यापक रूप से सभी समय का सबसे महान हेवीवेट मुक्केबाज माना जाता है) का जन्म

1989– कर्नल जतिन्द्र कुमार बजाज उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने।

2022 मशहूर भारतीय नर्तक, संगीतकार और गायक बिरजू महाराज का निधन

1. **बेंजामिन फ्रेंकलिन का जन्म**– बेंजामिन फ्रेंकलिन का जन्म 17 जनवरी, 1706 ई. को बोस्टन, मेसाचुसेट्स, अमेरिका में हुआ था। बेंजामिन फ्रेंकलिन ने ही **तड़ित चालक** का खोज किया था।
   - संदर्भः बच्चों को **विज्ञान भाग 3, पृष्ठ 15** के संदर्भ में बेंजामिन फ्रेंकलिन के बारे में बतायें।

2. **डी. आर. कापरेकर का जन्म**– दत्तात्रेय रामचन्द्र कापरेकर एक भारतीय गणितज्ञ थे। उनका जन्म 17 जनवरी, 1905 को डहाणू, महाराष्ट्र में हुआ था। उन्होंने संख्या सिद्धान्त के क्षेत्र में अनेक योगदान किया। संख्या 6174 को **कापरेकर स्थिरांक** कहते हैं। इसका पता कारपरेकर ने लगाया था।
   उदाहरण के लिए–
   i. चार अंक की कोई भी संख्या लीजिये जिसके दो अंक भिन्न हों।
   ii. संख्या के अंकों को आरोही तथा अवरोही क्रम में लिखें। इससे आपको दो संख्यायें मिलेंगी।
   iii. अब बड़ी संख्या में से छोटी संख्या को घटायें।
   iv. जो संख्या मिले इस पर पुनः क्रम संख्या 2 तथा 3 वाली प्रक्रिया दोहराएं।
   कुछ निश्चित चरणों के बाद आपको संख्या 6174 मिलेगी।
   जैसे– $7731 - 1377 = 6354$
   $6543 - 4356 = 3087$
   $8730 - 0378 = 8352$
   $8532 - 2358 = 6174$
   $7641 - 1467 = 6174$

3. **माउंट एवरेस्ट की खोज**– ब्रिटेन के पर्वतारोही जार्ज एवरेस्ट ने 17 जनवरी, 1841 को विश्व की सबसे ऊँची चोटी का पता लगाया था। यद्यपि, उन्होंने माउंट एवरेस्ट को कभी नजदीक से नहीं देखा था।
   विश्व के सर्वोच्च पर्वतों को निर्धारित करने के उद्देश्य से सन् 1806 में ब्रिटिश सर्वेयर जॉर्ज एवरेस्ट को भारत का सर्वे करने का जिम्मा दिया गया। 1808 ई. में 'भारत का महान त्रिकोणमितीय सर्वे' शुरू किया था। यह सर्वे दक्षिण भारत से शुरू हुई होकर उत्तर भारत तक पहुँची। सन् 1830 में वे हिमालय के पहाड़ों के पास सर्वे के लिये पहुँचे। लेकिन नेपाल की राजसत्ता ने आक्रमण के डर से उन्हें प्रवेश नहीं करने दिया। जिसके फलस्वरूप ब्रिटिश सर्वेयर को तराई भाग से ही चोटियों के सर्वेक्षण करने के लिये बाध्य होना पड़ा। वर्ष 1843 में जॉर्ज एवरेस्ट रिटायर हो गये। बाद में एक भारतीय गणितज्ञ राधानाथ सिकन्दर और बंगाल के सर्वेक्षक ने निकोलसन के आंकड़ों पर गणना कर सन् 1856 में एवरेस्ट के ऊँचाई को 29,000 फीट (8,840 मीटर) ऊँचा बताया। अपने पूर्ववर्ती सीनियर ऑफीसर जार्ज एवरेस्ट के सम्मान में इस चोटी नाम 'माउंट एवरेस्ट' रखा गया।
   इसे नेपाली भाषा में स्थानीय लोग 'सागरमाथा' (अर्थात् स्वर्ग का शीर्ष), संस्कृत में 'देवगिरि' (अर्थात् देवताओं का पर्वत), तिब्बती भाषा में 'चोमोलंगमा' (अर्थात् पर्वतों की रानी) कहा जाता है। नेपाल के प्रसिद्ध इतिहासकार बाबुराम आचार्य ने सन् 1930 के दशक में एवरेस्ट को 'आकाश का भाल' कहा था।
   एवरेस्ट उत्तरी गोलार्द्ध में एशिया महादेश के नेपाल देश स्थित है। यह नवीन मोड़दार पर्वत श्रृंखला हिमालय का एक अंग है। 29 मई 1953ई. को न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और दार्जीलिंग के तेनजिंग नोर्गे ने पहली बार एवरेस्ट को फतेह किया।

माउंट एवरेस्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें: ज्ञान दृष्टि का 'एवरेस्ट' अंक

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष
17 जनवरी

मधु प्रिया

डी. आर. कापरेकर का जन्म 17 जनवरी

Dattaraya Ramchandra Kaprekar

दत्तात्रय रामचन्द्र कापरेकर का जन्म 17 जनवरी, 1905 को डहाणू, महाराष्ट्र में हुआ था। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा थाने और पुने में, तथा स्नातक की शिक्षा मुंबई विश्वविद्यालय से हुई थी। लेकिन उन्होंने गणित या किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर डिग्री की पढ़ाई नहीं की थी। वे नासिक में स्कूल टीचर थे। गणित में उच्च शिक्षा न प्राप्त करने के बावजूद उन्होंने नंबर थ्योरी पर काम किया। कुछ स्थिरांक और बहुत सी संख्यायें उनके नाम से जाने जाते हैं। वे मनोरंजात्मक गणित के क्षेत्र में जाने माने व्यक्ति थे। उच्च शिक्षा न प्राप्त करने के कारण भारत में गणितज्ञों ने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया जो उन्हें मिलना चाहिये था। उनके पेपर भी निम्न श्रेणी के गणित की पत्रिकाओं में छपते थे। वे गणित के सम्मेलनों में अपने पैसे से जाते थे और अंको पर व्याख्यान देते थे। उन्हें कहीं से पैसों की मदद नहीं मिल पाती थी चूंकि वे केवल स्कूल टीचर थे। उन्हें भारत में सम्मान तब मिला जब उनके बारे में मार्टिन गार्डनर ने साईंटिफिक अमेरिकन के मार्च, 1975 अंक में, उनके बारे में लिखा।एक स्थान से दूसरे स्थान पर साइकिल चलाकर उन्होंने निजी छात्रों को अपरंपरागत तरीकों से पढ़ाया, खुशी-खुशी नदी के किनारे बैठकर "प्रमेय के बारे में सोचा"। उन्हें "गणितानंद" के नाम से भी जाना जाता है। इनकी मृत्यु 1986 (आयु 81)वर्ष में हो गयी।

पुण्यतिथि विशेष 17 जनवरी

राकेश कुमार

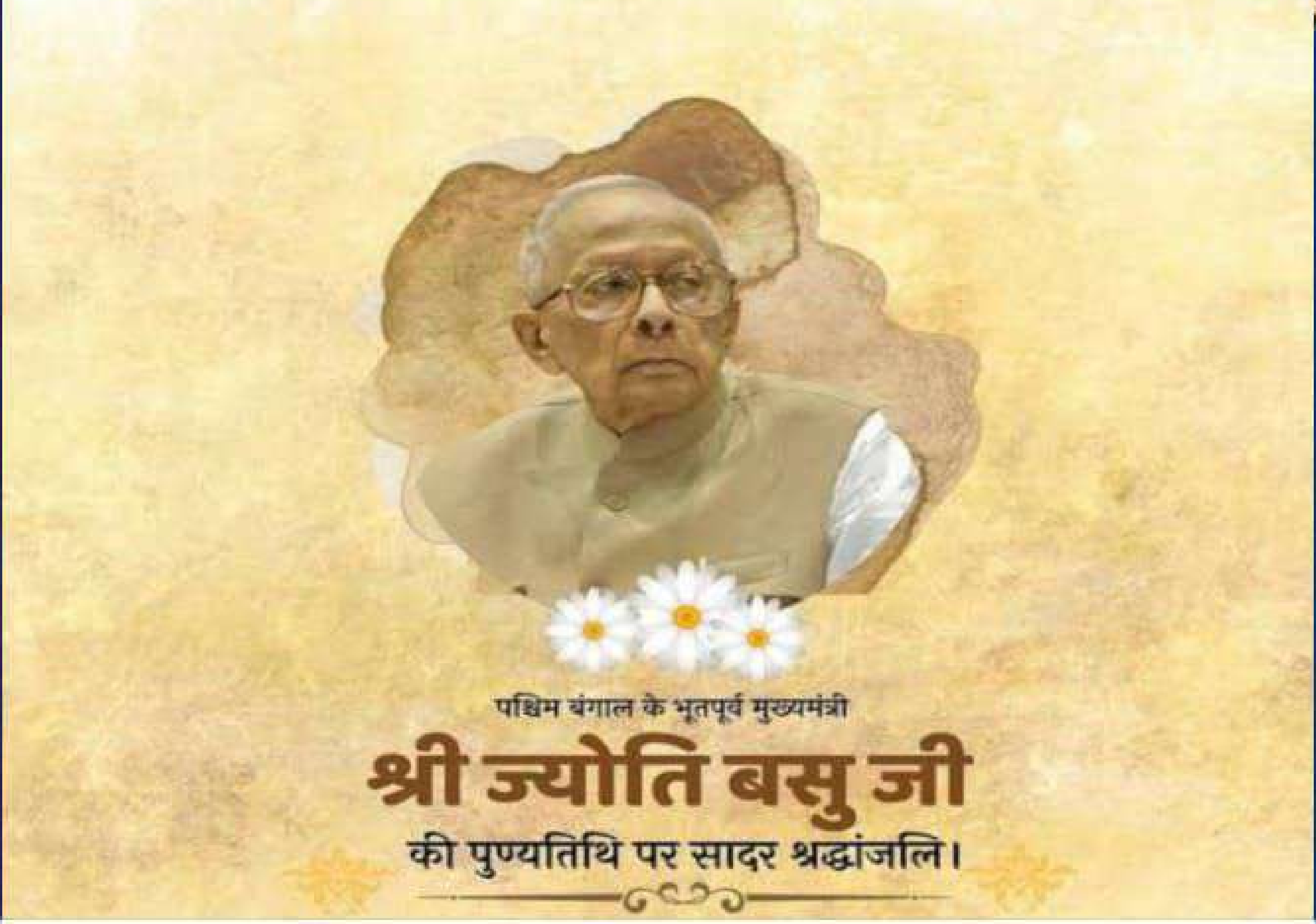

ज्योति बसु (जन्म- **08** जुलाई **1914** मृत्यु-**17** जनवरी **2010**) एक बंगाली कायस्थ परिवार में जन्मे,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के जानेमाने राजनेता थे। वे सन् **1977** से लेकर **2000** तक पश्चिम बंगाल राज्य के मुख्यमंत्री रहकर भारत के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का कीर्तिमान स्थापित किए। वे सन् **1964** से सन् **2008** तक सीपीएम पॉलित ब्यूरो के सदस्य रहे।

दिवस प्रेरणा 17

बेंजामिन फ्रेंकलिन

(अमेरिकी वैज्ञानिक)

दस साल की उम्र तक ही पढ़ाई करने का मौका मिला ...

संघर्ष

फ्रैंकलिन का जन्म अमेरिका में हुआ था। उनके पिता का नाम जोशिया फ्रैंकलिन था, जो साबुन सह मोमबत्ती निर्माता और दुकानदार थे। बेंजामिन फ्रैंकलिन की माता का नाम आबिया फोल्गर था, जो जोशिया फ्रेंकलिन की दूसरी पत्नी थी। जोशिया के 17 बच्चे थे। जिनमे बेंजामिन पन्द्रहवें बच्चे और सबसे छोटे बेटे थे। उनकी स्कूली शिक्षा तब समाप्त हो गई, जब वे दस वर्ष के थे। इसके बाद उन्होंने कुछ समय तक अपने पिता के लिए काम किया। कुछ दिनों तक उन्होंने अपना एक प्रिंटिंग प्रेस भी चलाया।

सफलता

बेंजामिन फ्रैंकलिन ही तड़ित चालक की खोज की थी। संयुक्त राज्य अमेरिका के संस्थापक जनकों में से एक थे। वे एक लेखक, मुद्रक, व्यंग्यकार, राजनीतिक विचारक, राजनीतिज्ञ, वैज्ञानिक, आविष्कारक, नागरिक कार्यकर्ता, राजमर्मज्ञ, सैनिक और राजनयिक भी थे। फ्रैंकलिन एक बहुत बड़े आविष्कारक थे। उनकी कई रचनाओं में बिजली की छड़, ग्लास आर्मोनिका (शीशे का एक उपकरण, जिसे धातु हारमोनिका नहीं समझा जाना चाहिए), फ्रैंकलिन स्टोव, बाइफोकल चश्मा और लचीला मूत्र कैथेटर थे। फ्रैंकलिन ने कभी अपने आविष्कारों का पेटेंट नहीं कराया। आवेश संरक्षण सिद्धांत की खोज करने वाले वे प्रथम व्यक्ति थे। विद्युत् से संबंधित अपने कार्यों के लिए फ्रैंकलिन ने 1753 में रॉयल सोसाइटी का 'कोपले पदक' प्राप्त किया। विद्युत् चार्ज की बड़े इकाई को उनके नाम पर रखा गया है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल.   ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुतिः टीचर्स ऑफ बिहार.   contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

राकेश कुमार

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **17.01.2025**

श्रवण अभिव्यक्ति

श्रवण एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल एक-दूसरे पर आधारित हैं। जब तक बालक एक कुशल श्रोता नहीं होगा तब तक वह मौखिक रूप में कुशल अभिव्यक्ति भी नहीं कर सकेगा। श्रवण कौशल से आशय है बालक में भाषा को सुनने, समझने एवं अर्थग्रहण करने की क्षमता का विकास ।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

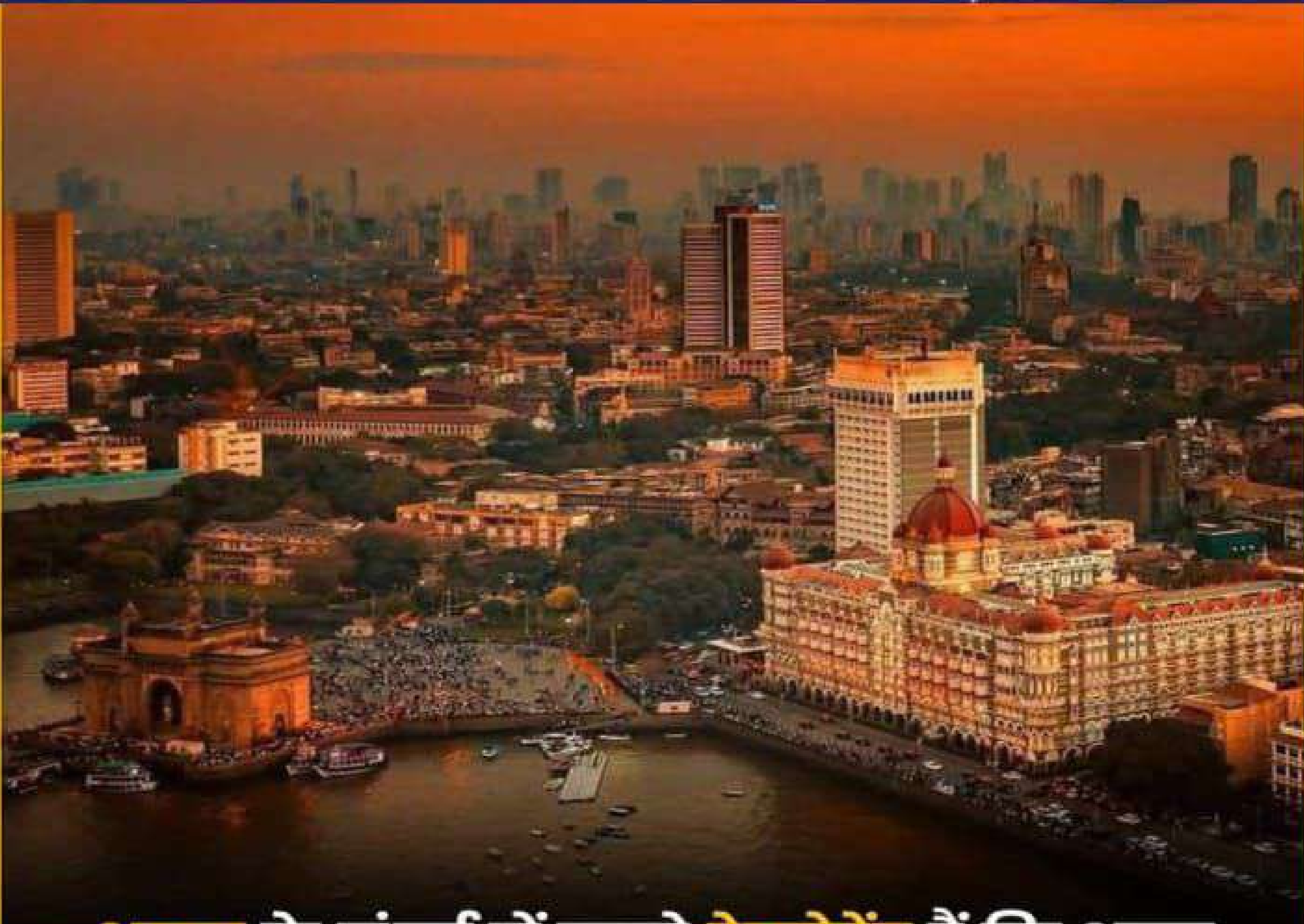

भारत के मुंबई में इतने रेस्टोरेंट हैं कि अगर आप रोज एक रेस्टोरेंट में जाएं, तो सभी रेस्टोरेंट को कवर करने में आपको लगभग 50 साल लग जाएंगे।

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

नाइट्रोजन (Nitrogen)

संकेत (Symbol) - **N**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -7

परमाणु भार (A.weight) -14.007

समूह (group)-15

आवर्त (period)-2

ब्लाक (block)-P

संयोजकता (valancy)-3

समस्थानिक (isotope)-3

इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[He]2s^2 2p^3$

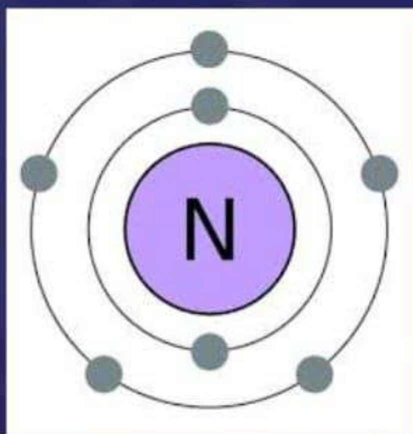

खोज

1772, डेनियल रदरफोर्ड

भौतिक गुण

रंगहीन, गंधहीन गैस

रासायनिक गुण

रासायनिक रूप से निष्क्रिय,अदाह्य गैस

उपयोग

उर्वरक, विस्फोटक, हवाई जहाज के टायरों में हवा भरने में

Anu priya

QUIZ TIME

Today's Quiz

Quiz Number 501

एशिया और यूरोप को कौन सी जलसंधि जोड़ती है?

A. दार्दनेल्ज़

B. बोस्पोरस

C. उपरोक्त दोनों

D. बाब-अल-मंडेब

सही उत्तर: C

www.teachersofbihar.org

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

ऊंची कूद

ऊंची कूद में, क्रॉस बार की लंबाई 4 से 4.02 मीटर होती है और इसका वज़न 2 किलोग्राम होता है. ऊंची कूद से जुड़ी कुछ और जानकारी:

- ऊंची कूद के मैदान में, लैंडिग मैट की लंबाई 5 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर होती है.
- मैट के दोनों तरफ़ दो पोल होते हैं, जिन पर बार रखा जाता है.
- इन दोनों पोलों के बीच की दूरी 4 से 4.04 मीटर होती है.
- रनवे एरिया 15 मीटर का होता है.
- ऊंची कूद में, हर खिलाड़ी को एक निश्चित ऊंचाई पर लगी बाधा को पार करना होता है.
- इसके लिए हर खिलाड़ी को तीन मौके मिलते हैं.
- ऊंची कूद में, अगर कोई एथलीट वैध छलांग नहीं लगा पाता, तो उसे 'नो-हाइट' स्कोर मिलता है और वह प्रतियोगिता से बाहर हो जाता है.

ज्योतिंद्र नाथ बसु

जन्म- 8 जुलाई 1914

मृत्यु- 17 जनवरी 2010

Madhu priya

/teachersofbihar

डी. आर. कापरेकर

17 जनवरी 1905

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

17 जनवरी

पंडित बिरजू महाराज

की पुण्यतिथि पर सादर नमन

4 फरवरी 1938 - 17 जनवरी 2022

PUNITA KUMARI

www.teachersofbihar.org